जैविक खेती से बढ़ी आमदनी और मिली पहचान

'कट्स' मानव विकास केन्द्र द्वारा स्वीडिस सोसायटी फॉर नेचर कन्जरवेशन, स्वीडन के सहयोग से संचालित प्रो–आर्गेनिक 'राजस्थान में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए परियोजना' का प्रभाव दिखाई देने लगा है। पंचायत समिति डूंगला के गांव आला खेड़ी के किसान मोहनलाल मेनारिया की पहचान जैविक खेती उत्पादक व जागरूक किसान के रूप में होने लगी है।

आलाखेड़ी डूंगला बड़ीसादड़ी सडक मार्ग पर बसा हुआ राजस्व गांव है। पंचायत समिति डूंगला की ग्राम पंचायत आलोद का यह गांव जिला मुख्यालय चित्तौड़गढ़ से लगभग 80 कि.मी. दक्षिण दिशा में बसा हुआ है। गांव में कुल 150 घर है जिसमें 128 घर मेनारिया जाति के है। सुथार, मेघवाल एवं रावत जाति के 5–5 घर है। राजपुत, नाई व सालवी जाति के 2–2 घर व एक घर वैष्णव जाति का है। गांव के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है।

गांव के नजदीक ही तलाऊ बांध स्थित होने के कारण गांव में पेयजल व सिंचाई के जल की कमी नही है। सिंचाई नहर एवं कुओं से की जाती है। गांव में रबी में मुख्य रूप से उगाई जाने वाली फसलो में गेहुं, मेथी, सरसो, इसबगोल अफीम तथा खरीफ में मक्का, कपास, सोयाबीन, मुंगफली, उडद, मूंग एवं ज्वार है। एक दिन ग्राम पंचायत आलोद के खेड़ी गांव के श्री नाथूलाल जी जाट ने श्री मोहनलाल मेनारिया को कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा चलाई जा रही परियोजना के बारे में जानकारी दी तो श्री मोहन लाल मेनारिया ने भी इस कार्यक्रम से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। श्री नाथुलालल जी जाट के सहयोग से श्री मोहनलाल मेनारिया नें कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा आयोजित जागरूकता बैठक, जिला स्तरीय परामर्श बैठक एवं शैक्षणिक भ्रमण में भाग लेने का अवसर मिला।

कट्स द्वारा आयोजित गतिविधियों के दौरान मिली जानकारी एवं संदर्भ साम्रगी से श्री मोहनलाल मेनारिया के जैविक खेती कार्य को संबल एवं गति मिली। श्री मोहनलाल मेनारिया खेती में देशी बीज व गोबर खाद का ही उपयोग करते है। फसल मे होने वाली बिमारियों की रोकथाम के लिए गौमुत्र का छिडकाव करते है। श्री मेनारिया द्वारा अपनाई जा रही विधि से प्रभावित होकर गांव व आस पास के किसान भी जानकारी लेने लगे है। किसान इनसे जैविक स्प्रे तैयार करने की विधि के बारे में जानकारी लेने लगे है। श्री मेनारिया किसानो को जैविक स्प्रे तैयार करने की विधि के बारे में ही जानकारी नही देते बल्कि सेंपल के रूप में किसानो को निःशुल्क स्प्रे भी उपलब्ध करवा रहे हे।

श्री मोहनलाल मेनारिया के अनुसार जैविक खेती से मिट्टी में नमी रहती है जिसके कारण कम सिंचाई में ही फसल तैयार हो जाती है। उत्पादन का वजन भी ज्यादा होता है। श्री मेनारिया अपने खेत में गेहुं, मिर्च एवं सब्जियों का उत्पादन कर रहे है। गेहुं को बेचने के लिए कहीं नही जाना पड़ता है। जैविक अनाज का महत्व समझने वाले लोग घर से ही गेहुं खरीद कर ले जाते है। मिर्च एवं सब्जी बड़ीसादड़ी सब्जि मण्डी में अधिक मुल्य पर आसानी से बिक जाती है।